

भूर्जः The birch-tree; भूर्जगतोऽक्षरविन्यासः V. 2; Ku. 1. 7; 'भूर्जः कटुः कषायोष्णो भूतरक्षाकरः परः' Rājanighaṇṭu. -**जम्** 1 A leaf made of birch-bark for writing on. -2 A written deed, document. -**Comp.** -**कण्टकः** a man of one of the mixed tribes, the offspring of an outcast Brāhmaṇa by a woman of the same class; त्रात्यात्तु जायते विप्रात् पापात्मा भूर्जकण्टकः Ms. 10. 21. -**पत्रः** the birch-tree.

भूर्णिः f. 1 The earth. -2 A desert.

भूष् 1 P., 10 U. (भूषति, भूषयति-ते, भूषित) 1 To adorn, deck, decorate; शुचि भूषयति श्रुतं वपुः Bk. 20. 15. -2 To decorate oneself (Ātm.); भूषयते कन्या स्वयमेव -3 To spread or strew with, overspread; नखप्रभाभूषितकङ्कपत्रे R. 2. 31. -*With* अभि to adorn, grace, give beauty to; अहरत सुतरामतोऽस्य चेतः स्फुटमभिभूषयति स्त्रियन्नपैव Śi. 7. 38.

भूषणम् [भूषयतेऽनेन भूष्-करणे ल्युट्] 1 Ornamenting, decoration. -2 An ornament, decoration, an article of decoration; क्षीयन्ते खलु भूषणानि सततं वाग्भूषणं भूषणम् Bh. 2. 19; R. 3. 2; 13. 57. -**णः** N. of Viṣṇu. -**Comp.** -**वाससम्** n. pl. clothes and ornaments; Ms. 8. 357.

भूषा [भूष्-भावे अ] 1 Decorating, adorning. -2 An ornament, decoration; as in कर्णभूषा q. v.; दम्पत्योः पर्यदात् प्रीत्या भूषावासः परिच्छदान् Bhāg. 3. 22. 23. -3 A jewel; नभोभूषा पूषा कमलवनभूषा मधुकरः.....सकलगुणभूषा च विनयः Subhāṣ.

भूषाय Den. Ā. To serve as an ornament.

भूषित p. p. [भूष्-क्त] Decorated, ornamented; मणिना भूषितः सर्पः किमसौ न भयंकरः.

भूष्णु a. [भू-गुण्] 1 Being, becoming; as in अलंभूष्णु q. v. -2 Wishing for wealth or prosperity; इन्द्रियं चैव सर्पं च ब्राह्मणं च बहुश्रुतम्। नावमन्येत वै भूष्णुः कृशानपि कदाचन॥ Ms. 4. 135.

भृ 1, 3 U. (भरति-ते; विभर्ति-विभृते, बभार-बभ्रे, विभारांच-कार-चक्रे, अभाषीत्-अभृत्, भरिष्यति-ते, भर्तुम्, भृत्; *pass.* भ्रियते, *desid.* विभरिषति-ते or बुभर्षति-ते) 1 To fill; जठरं को न विभर्ति केवलम् Pt. 1. 22. -2 To fill, pervade, fill with; अभाषीद् ध्वनिना लोकान् Bk. 15. 24. -3 To bear, support, uphold, bear up; धुरं धरिष्या विभरांबभूव R. 18. 45; कूर्मो विभर्ति धरणीं खलु पृष्ठकेन Ch. P. 50; Bk. 17. 16. -4 To maintain, foster, cherish, protect, take care of, nourish; भरस्व पुत्रं दुष्यन्त Bhāg. 9. 20. 21; दरिद्रान् भर कौन्तेय मा प्रथेच्छेऽश्वरे धनम् H. 1. 14. -5 To bear, have, possess; सिन्धोर्बभार सलिलं शयनीयलक्ष्मीम् Ki. 8. 57; पिशुनजनं खलु विभ्रति क्षितीन्द्राः Bv. 1. 74; वलित्रयं चारु बभार बाला Ku. 1. 39; इन्दोर्दैन्यं त्वदनुसरणक्लिष्टकान्तेर्विभर्ति Me. 86; Ś. 2. 4. -6 To wear; विभ्रज्जटामण्डलम् Ś. 7. 11; 6. 5; विवाहकौतुकं ललितं विभ्रत एव (तस्य) R. 8. 1; 10. 10; जटाश्च विभ्रयात्त्रियम् Ms. 6. 6. -7 To feel, experience, suffer, endure (joy, sorrow &c.); भावशुद्धिसहितैर्मुदं जनो नाटकैरिव बभार भोजनैः Śi. 14. 50; संत्रास-मभिः शक्रः Bk. 17. 108; Ś. 7. 21. -8 To confer, bestow, give, produce; यौवने सदलेकाराः शोभां विभ्रति सुभ्रवः Subhāṣ.

-9 To keep, hold, retain (as in memory). -10 To hire; Ms. 11. 62; Y. 3. 235. -11 To bring or carry. -12 To take away, transport. -13 Ved. To acquire, gain. -14 To balance, hold in equipoise (as a pair of scales). (गर्भं भृ to become pregnant, conceive; क्षितिं भृ to rule the earth; जटां भृ to wear matted hair &c.).

भृत् a. (At the end of comp.) 1 Bearing, carrying. -2 Supporting, nourishing. -3 Possessing, having; प्रथमे मानभृतां न वृष्णयः Ki. 2. 44. -4 Bringing, procur- ing, &c.

भृत p. p. [भृ-क्त] 1 Borne. -2 Supported, main- tained, cherished, fostered. -3 Possessed, endowed or furnished with. -4 Full of, filled with. -5 Hired; नातुग्रहभृतः कश्चित् Mb. 3. 15. 22. -**तः** A hired servant; hireling, mercenary; कालातिक्रमणे हेव भक्तवेतनयोर्भृताः Rām. 2. 100. 33; उत्तमस्त्वयुधीयो यो मध्यमस्तु कृषीवलः। अधमो भारवाही स्यादित्येवं त्रिविधो भृतः Mita.

भृतक a. [भृतं भरणं वेतनमुपजीवति कन्] 1 Nourished; कैकेय्या न वयं राज्ये भृतका हि वसेमहि Rām. 2. 48. 23. -2 Hired, paid. -**कः** A hired servant;.....द्वादशमंशं भृतकः Kau. A. 2. 8. 26; रक्षेत भृतकोऽरण्ये यथा गास्तादृगेव सः Mb. 3. 33. 24. -**Comp.** -**अध्यापकः** a hired teacher. -**अध्यापनम्** instruction given by a hired teacher; भृतादध्ययनादानं भृत्- काध्यापनं तथा Y. 3. 235. -**अध्यापित** a. taught by a paid teacher. (-**तः**) a student who pays his teacher for his labour (= 'a paying student' of the modern days); भृतकाध्यापको यश्च भृतकाध्यापितस्तथा Ms. 3. 156.

भृतिः f. [भृ-क्तिन्] 1 Bearing, upholding, supporting. -2 Cherishing, maintaining. -3 Bringing, leading to. -4 Nourishment, support, maintenance. -5 Food. -6 Wages, hire; त्रिभिः प्रकारैर्भृतिर्भवति व्यापारतः फलतो वचनत इति ŚB. on MS. 10. 3. 45; भृतिश्च कर्मकरेभ्य आनत्यर्थं यद्दीयते ŚB. on MS. 10. 2. 27; cf. also कालमानं त्रिधा ज्ञेयं चान्द्रं सौरं च सावनम्। भृतिदाने सदा सौरं चान्द्रं कौसीदबुद्धिषु॥ Śukra. See also Śukra. 3. 266. -7 Service for hire. -8 Capital, principal. -9 Wages, hire. -**Comp.** -**अध्यापनम्** teach- ing (especially the Vedas) for hire. -**अर्थम्** *ind.* on account of the maintenance; प्रजानामेव भृत्यर्थं (v. l. for भृत्यर्थं) स ताभ्यो बलिमग्रहीत् R. 1. 18. -**भृज्** m. a hired servant, a hireling. -**रूपम्** a reward in place of the wages due, but not to be paid.

भृत्य a. [भृ क्यप् तक् च] To be nourished or mainta- ined &c. -**त्यः** 1 Any one requiring to be supported. -2 A servant, dependant, slave. -3 A king's servant, minister of state; भृत्यप्रणाशो मरणं नृपाणाम् H. 2. 136. -4 A subject. -**त्या** 1 Rearing, fostering, nourishing, taking care of; as in कुमारभृत्या q. v. -2 Maintenance, support. -3 A means of sustenance, food. -4 Wages. -5 Service. -**Comp.** -**अध्यापनम्** teaching the Veda for hire; Ms. 11. 62. -**जनः** 1 a servant, dependant. -2 servants taken collectively. -**भर्तु** m. the master of